आप गुरूजी त्यारोला म्हारो अवगुण भरीयो शरीर

आप गुरूजी त्यारोला,
म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

ज्ञान नहीं जानू ध्यान आपको,
माफ करो तकसीर,
ज्ञानी भगत जन भक्ति उपावे,
कर कर कष्ट शरीर,
आप गुरूसा त्यारोला,
म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

अगम अगोचर महिमा सूनी,
म्हारे लागी प्रेम की पीड़,
अर्जी सुनो गुरु म्हारी विनती,
दिल में बंधाओ धीर,
आप गुरूसा त्यारोला,
म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

भवसागर की अनंत लहरा,
तृष्णा भंवर गंभीर,
काम क्रोध मद लोभ मोह में,
लिपट डिबोयो शरीर,
आप गुरूसा त्यारोला,
म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

बहुसागर में किश्ती झूल रही,
खेवटयो है पीर,
गउचर वंशी गुरु हीरानंद ध्यावे,
आप लगाओ तीर,
आप गुरूसा त्यारोला,
म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

आप गुरूजी त्यारोला,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

म्हारो अवगुण भरीयो शरीर।bd।

गायक / प्रेषक – रोहित प्रजापत।
9829464693

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com